Roll No. ……..

BAJY–202

मुहूर्त्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी. ए.-12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मुहूर्त्त का अर्थ एवं महत्व लिखिये।
2. षोडश संस्कार का महत्व एवं संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. यात्रा मुहूर्त्त में कृत्याकृत्य विचार कीजिए।
4. गृहारम्भ मुहूर्त्त लिखिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्रों का परिचय दीजिए।
2. करण कितने हैं ? लिखिये।
3. गर्भाधान मुहूर्त्त लिखिये।
4. अन्नप्राशन की विशेषता एवं मुहूर्त्त लिखिये।
5. यात्रा में घात विचार लिखिये।
6. यात्रा में विहित नक्षत्रों का उल्लेख कीजिए।
7. द्वारस्थापन चक्र की व्याख्या कीजिए।
8. शकुन विचार पर एक टिप्पणी लिखिये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. पक्ष कितने होते हैं ?
2. अयन कितने हैं ?

3. तिथियाँ कितनी हैं ?
4. पुंसवन किस मास में होता है ?
5. अन्नप्राशन कितने मास में होता है ?
6. यात्रा के प्रकार बताइये।
7. जीर्णगृहप्रवेश किसे कहते हैं ?
8. शकुन क्या है ?
9. उपनयन कितने वर्ष में होता है ?
10. चल करण कितने हैं ?